कीट द्वारा नुकसान का समय

चना फली भेदक की सूड़ी वर्ष भर खेतों में किसी न किसी फसल पर मिलती रहती है। उत्तर भारत में शरद ऋतु की शुरूआत यानि अक्टूबर के पहले पखवाड़े में इस कीट का नुकसान, चना की फसल की पत्तियों पर दिखने लगता है। शरद ऋतु के बाद फरवरी और मार्च में तापमान बढ़ने के साथ साथ चना फली भेदक का प्रकोप चना व अरहर पर बढ़ जाता है और चना की फलियों में नुकसान दिखने लगता है।

आर्थिक क्षति स्तर :

चना फली भेदक की 1 सूड़ी प्रति मीटर की दर से चना के खेत में मिलने लगे तब इस बात का आकलन कर लेना चाहिए कि इस कीट की संख्या फसल को आर्थिक क्षति पहुँचाने की स्थिति में है। इस समय तुरन्त आवश्यक फसल सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए।